ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-6* Issue-2* March- 2021
Innovation The Research Concept

किशोर एवं किशोरियों पर दूरदर्शन से पडनें वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव "एक समाजशास्त्रीय मूल्यांकन"

Doordarshan's Positive and Negative Effects on Teenager Boys and Girls "A Sociological Evaluation"

Paper Submission: 01/03/2021, Date of Acceptance: 20/03/2021, Date of Publication: 21/03/2021

नीरू शर्मा
उपप्रधानाचार्य,
समाज शास्त्र विभाग,
कमला महाविद्यालय,
धौलपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन के माध्यम से "किशोरों के जीवन पर दूरदर्शन का प्रभाव" एक समाजशास्त्रीय मूल्यांकन करनें हेतु उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिला के शिकोहाबाद नगर में स्थित कुल 12 प्रकार शालाओं में से संयोग न्यादर्श की लाटरी प्रणाली द्वारा चयनित 25–25 न्यादर्शो अर्थात कुल 300 न्यादर्शो में से प्रत्येक शाला 5–5 छात्र–छात्राओ (किशोर–किशोरियों) का चयन किया गया। इस प्रकार 30–30 छात्रों के दो समूह इस प्रकार बनायें गये कि एक समूह कक्षा 6,7 तथा 8 में अध्ययनरत माध्यमिक स्कूल के छात्रों का बनाया गया। माध्मकि स्कूल के इन 30 छात्रों से दूरदर्शन से पडने वाले प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रभावों को ज्ञात करनें का प्रयास करते हुए उनसे इस विषय पर प्रश्न पूछे गये तथा गहन व विस्तृत चर्चा की गई। इसी प्रकार कक्षा 9 एवं कक्षा 10 के छात्रों (दूसरे समूह) से दूरदर्शन से किशोरों के जीवन पर पडनें वालें सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों को ज्ञात करनें का प्रयास करतें हुए उनसे इसी विषय पर गंभीरता के साथ विभिन्न प्रकार के बहु आयामी प्रश्न पूछे गये तथा विस्तृत चर्चा की गई ताकि वास्तविक प्रभावों से अवगत हुआ जा सके।

इस विषय पर दोनों समूहों से शिक्षा, फैशन तथा सामाजिक संबधों में हो रहें परिवर्तनों संबधी तीन पहलुओं का गहन अध्ययन किया गया।

Through the study presented, "Impact of Doordarshan on the life of teenagers" for conducting a sociological assessment, 25 out of 12 types selected by combination of lottery system, out of a total of 12 types of schools in Shikohabad city of Firozabad district of Uttar Pradesh i.e. 300 judges. Out of each school, 5–5 students (adolescent girls) were selected. In this way, two groups of 30–30 students were formed in such a way that one group was made up of secondary school students studying in class 6,7 and 8. While trying to find out the direct and indirect effects of Doordarshan from these 30 students of Madhamaki School, they were asked questions and discussed in depth and in detail. Similarly, trying to find out the positive and negative effects of class 9 and class 10 students (second group) on the life of teenagers from Doordarshan, they were asked a wide variety of multi-dimensional questions on this subject with seriousness and detailed Discussions were made so that real effects could be made known.

On this subject, in-depth study of three aspects related to changes in education, fashion and social relations was done from both the groups.

मुख्य शब्द : फिरोजाबाद, माध्यमिक स्कूल, दूरदर्शन
Firozabad, Intermediam Scholls, Doordarshan.

प्रस्तावना

माध्यमिक स्कूलों के इन छात्र–छात्राओं से दूरदर्शन से पडनें वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावो को ज्ञात किया गया। दूरदर्शन देखनें और व्यायाम न करनें के कारण वजन बडनें के आधार पर दूरदर्शन सहयोगी रहा है। इस नकारात्मक प्रभाव को अधिकांश छात्र स्वीकार करतें है उनकी आखें श्वस्थ

है जिसे अधिकांश किशोंर सकारात्मक प्रभाव स्वीकार करते है। दूरदर्शन देखनें के बाद मानसिक रूप से छात्र कोई फर्क महसूस नही करते, एक नकारात्मक प्रभाव का उल्लेखनीय पहलू है। दूरदर्शन देखतें समय यदि स्कूल से दिया गया गृहकार्य न किया हो तो अधिकांश छात्र मानसिक रूप से तनाव महसूस करते है। दूरदर्शन देखनें के 3–6 घन्टे बाद अधिकांश किशोर आखों की थकावट महसूस करते है। अश्लील दृश्यों के आनें पर अधिकांश किशोर वहा से उठकर चलें जाते है या फिर सिर नीचा कर लेतें है। ये दूरदर्शन का छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव ही कहा जायेंगा। दूरदर्शन देख कर अपनें छोटें भाई–बहनों के साथ हिंसात्मक व्यवहार न्युनतम किशोर ही करतें है। इस पर दूरदर्शन के कार्यक्रमों का कम पर ही नकारात्मक प्रभाव तो पडता ही है। दूरदर्शन के किसी भी कार्यक्रम पर शिक्षकों से चर्चा करनें पर अधिकांश छात्रों को डर लगता है, यह एक नकारात्मक प्रभाव परिलक्षित हुआ है। नयें फैशन के अपनानें के प्रति आकर्षित होना दूरदर्शन का अधिकांश किशोर–किशोरियों पर पडने वाला सकारात्मक प्रभाव है। दूरदर्शन के माध्यम से धूम्रपान, मद्यपान, अनैतिकता, फरेब आदि को बढावा मिला है। निःसंदेह दूरदर्शन देखनें से मानवीय व्यवहार प्रभावित हुआ है। दूरदर्शन पर आयें विज्ञापनो से न्यायदर्श आकर्षित हुआ है। यह दूरदर्शन का एक सकारात्मक प्रभाव है। जिसे अधिकांशतः किशोर–किशोरिया स्वीकार करतें है। अधिकांशतः किशोर–किशोरिया यह भी स्वीकार करते है कि भविष्य में दूरदर्शन का भौतिकवाद एवं अनैतिकता के प्रसार करने के संदर्भ में सकारात्मक प्रभाव पडेगा तथा इनकी वृद्वि होगी।

दूरदर्शन के प्रसारणों के सन्दर्भ एवं तिथियां/प्रसारण सेवाएं

1	दूरदर्शन का प्रथम प्रसारण	15 सितम्बर 1959 (दिल्ली)
2	दूरदर्शन पर विज्ञापन सेवा आरम्भ	1 जनवरी 1976
3	दूरदर्शन पर "स्वतंत्र विभाग" रूप में	1 अप्रेल 1976
4	दूरदर्शन पर रंगीन प्रसारण	19 नवम्बर 1982
5	दूरदर्शन से यू.जी.सी. सेवा आरम्भ	15 अगस्त 1984
6	दूरदर्शन से राष्ट्रीय कार्यक्रम आरम्भ	15 अगस्त 1984
7	दिल्ली दूरदर्शन पर दूसरा चैनल आरम्भ	15 सितम्बर 1984
8	दूरदर्शन पर तीसरा चैनल आरम्भ	1985
9	दूरदर्शन पर मूवी चैनल आरम्भ	1985
10	दिल्ली दूरदर्शन द्वारा टेलीटैक्स सेवा आरम्भ	14 नवम्बर 1985
11	दूरदर्शन पर सुबह का प्रसारण आरम्भ	फरवरी 1987
12	दूरदर्शन पर रोजगार समाचार आरम्भ	मई 1998
13	दूरदर्शन पर अपरान्ह सेवा आरम्भ	26 जनवरी 1989
14	दूरदर्शन पर आधुनिकतम स्टूडियों आरम्भ	फरवरी 1989
15	दूरदर्शन में 5 नयें चैनल आरम्भ	15 अगस्त 1993
16	देश में दूरदर्शन केन्द्र 26	
17	देश में दूरदर्शन ट्रांसमीटर 526	1992 के अन्त तक

समूह चर्चा से निम्न आनुभाविक निष्कर्ष

1. किशोर एवं किशोरियों पर दूरदर्शन के सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों प्रभाव पडता है।
2. दूरदर्शन देखनें के कारण यदि गृहकार्य न कर पाये हो तों वे मानसिक तनाव महसूस करतें है।
3. दूरदर्शन पर आये विज्ञापनों से किशार– किशोरिया विशेषतः प्रभावित होतें है।
4. दूरदर्शन देखने से सामान्य ज्ञान में वृद्वि हुई है।
5. न्यायदर्शो का सोच है कि दूरदर्शन से धूम्रपान, मद्यपान,पान मसाला, गुटखा फरेब, अपराध करना, अनैतिकता आदि को समाज में बढावा मिला है एवं मानव व्यवहार प्रभावित हुआ है।

न्यायदर्शो की आयु का विवरण

क्र0स0	आयु का विवरण (वर्षों में)	संख्या	प्रतिशत
1	5 – 10	–	00.00
2	11 – 15	163	54.33
3	16 – 20	137	45.67
	समस्त योग	**300**	**100.00**

पढाई पर प्रभाव के आधार पर

क्र0स0	पढाई पर प्रभाव	संख्या	प्रतिशत
1	सकारात्मक	254	84.66
2	नकारात्मक	46	95.33
	समस्त योग	**300**	**100.00**

समूह चर्चा (कक्षा 9 तथा 10 के किशोर–किशोरिया)

(कक्षा 9,10) हाईस्कूल के 30 छात्रों (किशोर–किशोरियों के समूह से चर्चा एवं प्रश्न पूछने पर ज्ञात हुआ कि दूरदर्शन का उनकी पढाई पर सकारात्मक प्रभाव पडा है तथा उनके ज्ञान में वृद्वि के साथ–साथ प्राप्तांकों में भी वृद्वि हुई है, ऐसा अधिकांश किशोर स्वीकार करतें है। अधिकांश किशोंरो के उनके शिक्षकों से बहुत अच्छे सम्बध है। यदि परिवार के किसी सदस्य ने किसी कारण हेतु दूरदर्शन यंत्र बंद करनें के लिये कहा अधिकांश किशोर किशोरिया सहमति से दूरदर्शन देखना बंद कर देते है। साथ ही दूरदर्शन देखतें समय घर के किसी भी ने कोई कार्य बता दिया तो अधिकांश किशोर किशोरिया सहमति से उस कार्य को करके फिर दूरदर्शन देखनें लग जाते है। यह दूरदर्शन से पडनें वालें प्रभाव का एक सकारात्मक पहलु है। दूरदर्शन पर देखी कोई भी नई बात अधिकांश किशोर–किशोरियां अपनें परिवार के सदस्यों के साथ बांटना पसन्द करतें है। मित्रों के संबध में दूरदर्शन नें उनकी सहेलियों तथा मित्रों की संख्या में कमी की है। यह एक नकारात्मक पहलु है। साथ ही दूरदर्शन देखतें समय मित्रों के उनके घर आनें पर वे दूरदर्शन बंद कर उनसे अच्छी तरह मिलतें जुलतें है भांति – भांति की चर्चाए करतें है। ऐसा अधिकांश छात्रों नें स्वीकार किया है जो कि ऐ सकारात्मक पहलु है। अधिकांशतः किशोर किशोरियों ने स्वीकार किया है कि उनके मित्रों के घर जानें पर, उनके माता पिता से संबध बहुत अच्छे है, यह भी एक सकारात्मक पहलु है। अधिकांशतः किशोर किशोरियां यह भी स्वीकार करतें है कि दूरदर्शन देखनें के कारण उन्हें कभी–कभी पढाई के लियें भी डॉट पडती है। जो एक नकारात्मक पहलु है। अधिकांशतः किशोर किशोरियों का मानना है कि दूरदर्शन एक मनोरंजन का एक महत्वपूर्ण एवं गृह उपलब्ध सुलभ साधन है। साथ ही राजनीतिक चर्चाए तथा फैशन संबधी जानकारी सबसे पहलें उन्हं दूरदर्शन से ही प्राप्त होती है। दूरदर्शन पर सूचनाओं को सुननें के साथ – साथ देखा भी जा सकता है। दूरदर्शन के माध्यम से बाजार में आनें वाली उत्पादन वस्तुओं के विषय में भी जानकारी सहज ही प्राप्त होती है। यू.जी.सी. कार्यक्रम तथा रोजगार संबधी कार्यक्रम किशोरो तथा किशोरियों का प्रत्यक्षतः मार्गदर्शन करतें हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि भविष्य में दूरदर्शन का अध्ययन–अध्यापन, संचारके साधनों, स्वास्थय संबधी जानकारियों पर सकारात्मक प्रभाव पडेगा, ऐसा अधिकांश किशोर किशोरियों निर्विवाद रूप से स्वीकार करतें है। इस प्रकार अधिकांशतः छात्रों नें किशोरों के जीवन पर दूरदर्शन के प्रभावों को नकारात्मक की अपेक्षा सकारात्मक अधिक बताया है।

समूह चर्चाओं से निम्नांकित निष्कर्ष स्थापित किये जा सकतें है –

1. किशोरों की ज्ञान वृद्वि में दूरदर्शन सहायक है।
2. जनसंचार के साधनों में दूरदर्शन एक श्रेष्ठ तथा सर्वाधिक लोकप्रिय साधन है क्योंकि दूरदर्शन पर देखनें को भी मिलता है और सुननें को भी।
3. यदि किशोर में अनुचित उचित का ज्ञान बोध विकसित हो चुका है तो दूरदर्शन अतिरिक्त ज्ञानार्जन तथा व्यक्तित्व विकास में सहायक भूमिका निर्वाह करता है।
4. दूरदर्शन, मनोरंजन का आधुनिक तथा लोकप्रिय सर्वोत्तम गृह उपलब्ध साधन है।
5. जीवन के प्रत्येक पक्ष पर दूरदर्शन प्रभाव डालता है, यह किशोर की ग्रहण क्षमता (शक्ति) पर निर्भर करता है कि वह किस सोच के साथ किसी चीज को ग्रहण करत हैं।
6. दूरदर्शन के कार्यक्रम किशोरो पर बहुआयामी प्रभाव डालतें है जिससें उनके सामान्य ज्ञान में वृद्वि होंती है।
7. दूरदर्शन, पल भर में दर्शक को विश्व भ्रमण करा देता है।
8. दूरदर्शन, विश्व की प्रत्येक सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान करानें में सहायक है एवं इस सन्दर्भ दूरदर्शन अहम भूमिका का निर्वाह कर रहा है।
9. दूरदर्शन पर विज्ञापनों की भौतिकतावादी प्रकृति, किशोर वर्ग को प्रत्यक्षतः प्रभावित कर रही है।
10. विश्व को एक परिवार के रूप में देखनें की भावना को विकसित/प्रोत्साहित करनें में दूरदर्शन सहायक स्त्रोत है।
11. शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि घटनाक्रमो की तरोताजा जानकारी (विश्वभर से संबधित) दूरदर्शन के माध्यम से घर बैठे ही मिल जाती है।
12. विश्व की किसी भी घटना को हम दूरदर्शन के माध्यम से घर बैठे ही देख सकतें है।

इस प्रकार सुस्पष्ट है कि हमारा जीवन निश्चय ही दूरदर्शन से प्रभावित होता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *सिंह श्याम घर ; वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण ; कमल प्रकाशन इन्दौर (म.प्र.), 1979, पृष्ठांकन 437*
2. *यंग पी.वी. ; साइन्टिफिक सोसल सर्वे एण्ड रिसर्च ; प्रिन्टस हाल आफ इण्डिया, प्राईवेट लिमिटेड, न्यु दिल्ली, 1975 पृष्ठांकन 243*
3. *जार्ज ई.जी. काल्टिन ; बेसिक सोशियोलॉजिकल प्रिन्सिपिल्स एण्ड मैथोडीलॉजी, दि फ्री प्रेस, न्यूयार्क ; कोलियर मैक–मिलन लिमि. लन्दन, 1966, पृष्ठांकन 314*
4. *होरोविज आर.ई. ; दि डेवलपमेन्ट आफ सोसल ऐटिट्यूड़स इन चिल्ड्रेन ; ए सोसियोमीट्रिक एनालाइसिस ; अमेरिकन सोसियोलाजिकल रिब्यु; 11, 1986, पृष्ठांकन 287–88*
5. *कपिल एच.के. ; व्यवहारिक विज्ञानों में अनुसंधान पद्वतियां एवं सांख्यकी के मूल तत्व ; हर प्रसाद भार्गव एण्ड सन्स प्रकाशन आगरा (उ0प्र0), 1978 पृष्ठांकन 192*
6. *वाटसन एम.; एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका, वाल्यूम – 20, 1941, पृष्ठांकन 27 (उद्घृत : रूहेला जे.के. ; सामाजिक सर्वेक्षण के मूल तत्व एवं सांख्यकी ;विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, नई दिल्ली, 2000 पृष्ठांकन 121–122*